>

Title : Need to rehabilitate the people living in the low lying areas of Andaman and Nicobar Islands to save them from the Tsunami type calamities.

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): सभापति महोदय, 11 मार्च 2011 को जापान में जो सुनामी और भूकम्प हुआ। उसकी हालत में अंडमान निकोबार में बारिश शुरू हो चुकी है। अंडमान निकोबार द्वीप समूह ने सुनामी देखा, अर्थक्वेक देखा। हजारों लोगों की मृत्यु हुई दिसम्बर 26, 2004 में। उसके बाद अक्टूबर 26, 2010 में इंडोनेशिया में भूकम्प आया, सुनामी आया। लोग मारे गए। सुनामी के साथ संबंध है ज्वालामुखी और भूकम्प का। जापान में इंडोनेशिया में, ज्वालामुखी और भूकम्प जोन है। अंडमान-निकोबार में ज्वालामुखी और भूकम्प जोन है। हमारे द्वीपों में ज्वालामुखी है, जैसे नाम बैरन आइलैंड और नारकंडम आईलैंड में है। हमारे पडोसी देश, इंडोनेशिया, बाली, सुमात्रा, सभी देशों में ज्वालामुखी और भूकम्प के जोन में भरा पड़ा है और अंडमान-निकोबार में भी है। अंडमान निकोबार अर्थक्वेक जोन-फाइव में आता है और सुनामी स्थानों में भी गिनती में आता है। एक बार हमने झेला और नुकसान अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में हुआ। 365 दिन के अंदर 200 दिन में अंडमान-निकोबार में भूकम्प हो रहा है, भूकम्प कभी 8 रिक्टर स्केल में और कभी 6 रिक्टर स्केल में हम झेल रहे हैं। इसलिए मैंने भारत सरकार से अनुरोध किया 7 नवम्बर, 2010 को पत्र लिखा प्रधान मंत्री को, राष्ट्रपित को, गृह मंत्री को और मांग किया कि लो लाइंग एरिया में रहने वाले लोगों को ऊंचे स्थानों में बैठाया जाए। लो लाइंग एरिया जैसा डेयरी फॉर्म, जंगली घाट, हैडो, मायाबंदर, कैम्बिल वे आदि स्थानों में एक लाख आबादी समुद्र के बगल में रहते हैं। इसका हाइट कहीं पर 50 सेंटीमीटर है, कहीं डेढ़ फुट और कहीं दो फुट है। इसलिए मैंने मांग की थी कि सुनामी के बाद अंडमान बनाने कोई न जाए, उससे पहले चिन्तन करे। मुझे बहुत दुख के साथ कहना पड़ता है कि मुझे केवल एकनॉलेजमेंट मिला, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मेरी एक ही मांग है कि अंडमान-निकोबार में हाइएस्ट फॉरेस्ट एरिया है, हमारी 3 परसेंट रैवेन्यू लैंड है, जिसमें पूरी आबादी रहती है। रैवेन्यू लैंड और नहीं है। लोगों को कहां बैठाएं। इसलिए मैं मांग करूंगा कि हमारे प्रशासन के पास, डिफेंस के पास, पी.डब्ल्यू.डी. के पास, बी.एस.एन.एल. के पास, अंडमान हरबर वर्क्स के पास 50 साल पहले लैंड एलाटमेंट हुआ था, उसका 10 परसेंट यूज किया और बाकी लैंड खाली पड़ा है। उस लैंड में लोगों को बैठाया जाए। मैं एक और मांग करूंगा कि हमारे अंडमान निकोबार में फॉरेस्ट लैंड है और डीम्ड फॉरेस्ट को चिन्हित किया गया है, उस लैंड को रैवेन्यू में परिवर्तन कर के, लो लाइंग एरिया में रहने वाले लोगों को वहां पर बैठाया जाए। जापान में बनाया गया सुनामी का वॉल, हमारे अंडमान-निकोबार में 15 मीटर हाइट सुनामी वॉल बनाया जाए। लो लाइंग एरिया से उठाकर लोगों को ऊंचे स्थान पर बैठाया जाए। इस पर तुरन्त कार्रवाई करें और इन लोगों को अगली आपदा आने से लोगों को ऊंचे स्थानों में बैठाकर बचाया जाए। इस पर तुरन्त कार्रवाई करें।

सभापति महोदय : माननीय सदस्य, श्री विष्णुपद राय के विषय से सम्बद्ध करने हेतु मुझे माननीय सदस्य,

श्री वीरेन्द्र कुमार,

श्री अर्जुन राम मेघवाल एवं

श्री अनुराग सिंह ठाकुर के निवेदन प्राप्त हुए हैं। मैं उन्हें इस वक्तव्य से सम्बद्ध करने की अनुमति प्रदान करता हूं।